आर्थिक लाभ राज्य की जीडीपी में कम से कम एक प्रतिशत बढ़ोतरी की उम्मीद, यूपी ही नहीं केंद्र सरकार को भी हुआ फायदा, दुनिया भर में हुई ब्रांडिंग

महाकुम्भ से यूपी में 3.50 लाख करोड़ से ज्यादा का टर्नओवर

अजित खरे

लखनऊ। महाकुम्भ उत्तर प्रदेश के साथ-साथ केंद्र सरकार के लिए आर्थिक समृद्धि के दरवाजे खोल गया है। इसके जरिए निकली आर्थिक गंगा से केंद्र व यूपी सरकार का खजाना तो भरेगा ही, अन्य राज्यों को भी परोक्ष रूप से फायदा हुआ है। प्रयागराज में तो आने वाले वक्त में कारोबारी गतिविधियों और तेजी आएगी। जानकार मान रहे हैं कि 45 दिनों के महाकुम्भ में 66.30 करोड़ लोगों के प्रयागराज आने से साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये का टर्नओवर हुआ है। राज्य की जीडीपी में कम से कम एक प्रतिशत बढ़ोतरी का अनुमान है। असल में केंद्र सरकार को हजारों ट्रेने चलाने से रेलवे के जरिए आमदनी हुई तो हवाई उड़ानों से भी आर्थिक लाभ निजी कंपनियों के साथ सरकार को भी हुआ। 2000 हवाई उड़ाने महाकुम्भ के लिए की गईं। दिल्ली व मुंबई की हवाई कंपनियों के टिकट एक उड़ान के 30 हजार से 60 हजार तक पहुंच गए। 2000 तो चार्टेड फ्लाइटों का संचालन हुआ। प्रयागराज में डीजल पेट्रोल की खपत में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रयागराज में लाखों वाहनों की रोजाना आवाजाही रही। इसके चलते प्रयागराज व आसपास के जिलों में डीजल पेट्रोल की खपत में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो गई है। अब इसके जरिए प्रयागराज के जरिए जीएसीटी संग्रह अपेक्षाकृत और बढ़ेगा। इसका असर यूपी के खजाने में दिखेगा जब मार्च में जीएसटी वसूली के वास्तविक आंकड़े सामने आएंगे।

70
हजार करोड़ के पार होगी प्रयागराज की जीडीपी

दूसरे राज्यों को भी हुआ फायदा

मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, छतीसगढ, दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, गुजरात समेत कई राज्यों से हजारों लोग बसों से आए। इन राज्यों के बस आपरेटरों ने प्रति व्यक्ति 60 हजार तक वसूले। यह आमदनी उस राज्य के बस आपरेटरों को हुई।

प्रदेश के हाईवे और एक्सप्रेसवे पर दौड़ रहे हजारों वाहन

नेशनल हाईवे हो या यूपी के चारों एक्सप्रेसवे। इन पर सामान्य दिनों के अपेक्षा महाकुम्भ के जरिए वाहनों की तादाद बढ़ गई। स्नान के खास दिनों में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे व यमुनए एक्सप्रेसवे पर वाहनों की तादाद कई गुना बढ़ गई। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे व पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर वाहनों की आवाजाही खूब हुई। इसके जरिए यूपीडा को टोल टैक्स के जरिए भारी आमदनी हुई। नेशनल हाइवे पर टोल के जरिए एनएचआई का खजाना भरा।

इनका कहना है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आर्थिक सलाहकार व महाकुम्भ आयोजन के पीछे की गतिविधियों पर नजर रखे केवी राजू बताते हैं कि दुनिया भर में जो यूपी की ब्रांडिंग हुई है, वह अपने आप बहुत खास है। छोटे बड़े दुकानदारों, से लेकर बड़ी कंपनियों तक को फायदा हुआ। इसके जरिए पांच लाख लोगों के लिए स्थाई व अस्थाई रोजगार का सृजन हुआ। अब इन सब आर्थिक गतिविधियों अलग-अलग पहलुओ का अध्ययन हावर्ड विश्वविद्यालय, आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम बंगलूरू, कानपुर आईआईटी गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद, लखनऊ विश्वविद्यालय समेत अनेक प्रतिष्ठत संस्थान कर रहे हैं। यही नहीं प्रयागराज महाकुम्भ ने भविष्य के लिए एक धार्मिक सांस्कृतिक सर्किट अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, मिर्जापुर, चित्रकूट के जरिए बना दिया है। प्रयामराज को केंद्र बिंदु मानकर कई जिलों की आर्थिक गतिविधियां में इजाफा हुआ है।

खास बातें

- वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए उत्तर प्रदेश की कुल जीडीपी 27.51 लाख करोड़ का अनुमान
- इसमें महाकुम्भ के जरिए एक प्रतिशत और इजाफा होने की उम्मीद
- इसमें जीएसटी, टोल टैक्स, विभिन्न प्रकार के कर वसूली व अन्य आर्थिक गतिविधियां शामिल
- 66 करोड़ से ज्यादा लोगों के प्रयागराज आने के चलते 3.50 लाख करोड़ से ज्यादा का टर्नओवर
- यूपी की जीडीपी वृद्धि 11.6 प्रतिशत व राष्ट्रीय औसत वृद्धि 9.6 प्रतिशत
- प्रयागराज की जीडीपी 68727.11 करोड़ रुपये, यूपी में प्रयागराज का नंबर छठवां